A-0299

Total Pages : 5 **Roll No. .....**

MAED-501

M.A. EDUCATION (MAED)

(शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार)

1st Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

Note* :–** This paper is of Seventy (70) marks divided into Two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein. ***Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

Section–A

(खण्ड–क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

***Note* :–** Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the meaning of philosophy in the western context. Write in detail the functions of philosophy in human development.

   पश्चिम परिवेश में दर्शन का अर्थ बताइए। मानव विकास में दर्शन के कार्यों को विस्तारपूर्वक लिखिए।

2. Write in detail about Vedanta philosophy. Review the utility of Vedanta philosophy in modern education system.

   वेदांत दर्शन को विस्तारपूर्वक लिखिए। आधुनिक शिक्षा प्रणाली में वेदांत दर्शन की उपादेयता की समीक्षा कीजिए।

3. According to Yoga philosophy, write the meaning and definition of Yoga. Describe the practical form of yoga.

योग दर्शन के अनुसार, योग का अर्थ एवं परिभाषा लिखिए। योग के व्यवहारिक स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. Explain the meaning of idealism. Discuss the objectives, teaching methods and teacher-student relationships of idealistic education.

आदर्शवाद का अर्थ स्पष्ट कीजिए। आदर्शवादी शिक्षा के उद्देश्य, शिक्षण विधियाँ एवं शिक्षक-शिक्षार्थी सम्बन्धों की चर्चा कीजिए।

5. Explain the philosophy of Geeta. Explain the usefulness of Shrimad Bhagwat Geeta in the present times.

गीता दर्शन को स्पष्ट करते हुए वर्तमान समय में श्रीमद्भागवत गीता की उपादेयता को समझाइए।

Section–B

(खण्ड–ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

***Note* :–** Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Write briefly the metaphysics and epistemology of pragmatism.

   प्रयोजनवाद की तत्व मीमांसा, ज्ञान मीमांसा को संक्षेप में लिखिए।

2. Explain the relationship between philosophy and education.

   दर्शन एवं शिक्षा के मध्य सम्बन्ध को समझाइए।

3. Write the objectives and curriculum according to naturalistic education.

   प्रकृतिवादी शिक्षा के अनुसार उद्देश्य एवं पाठ्यक्रम को लिखिए।

4. Discuss the curriculum and teaching methods according to existentialism.

   अस्तित्ववाद के अनुसार पाठ्यक्रम एवं शिक्षण विधियों की विवेचना कीजिए।

5. According to the Upanishads, what should be the curriculum of education ?

   उपनिषदों के अनुसार शिक्षा का पाठ्यक्रम किस प्रकार होना चाहिए ?

6. Explain this statement that "philosophy is the science of sciences".

"दर्शन विज्ञानों का विज्ञान है।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

7. Explain the usefulness of educational philosophy in the life of a teacher.

एक शिक्षक के जीवन में शिक्षा दर्शन की उपादेयता को स्पष्ट कीजिए।

8. Evaluate Sankhya philosophy as a philosophy of education.

शिखा दर्शन के रूप में सांख्य दर्शन का मूल्यांकन कीजिए।

****